मंत्री प्रसाद नैथानी

उत्तराखण्ड शासन

विद्यालयी शिक्षा मंत्री,
उत्तराखण्ड सरकार

दिनांक : 15 अगस्त, 2016

संदेश

प्रदेश के सम्मानित शिक्षक साथियों, छात्र–छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षण संस्थाओं तथा कार्यालयों में कार्यरत अभिकर्मियों एवं प्रदेश के सम्मानित नागरिकों को देश के 70वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।

साथियो स्वतंत्रता का आशय मात्र राजनैतिक रूप से सम्प्रभुता सम्पन्न राज्य की स्थापना नहीं है अपितु राज्य में निवासरत वासिन्दों को आर्थिक,सामाजिक, शैक्षिक एवं सास्कृतिक प्रगति हेतु पूर्ण अवसर प्रदान करना एवं उनके अधिकारों की प्रतिरक्षा हेतु न्यायिक संरक्षण प्रदान करना भी है। देश में चुनी हुई सरकारों का यह प्रथम दायित्व होना चाहिए कि जनता को प्रगति का समेकित अवसर प्रदान करें। प्रजातांन्त्रिक शासन की सफलता की यह मूल अवधारणा है। इस दिशा में प्रदेश सरकार, राज्य का चहुमुखी विकास की ओर सतत अग्रसर है।

स्वतंत्रता दिवस के पुनीत अवसर पर मेरा अनुरोध है कि शिक्षण संस्थाओं में अनिवार्य रूप से छात्र संसद का गठन कर छात्र छात्राओं में प्रजातांन्त्रिक मूल्यों के प्रति संवेदनशीलता तथा स्वतंत्रता का आशय स्वयं ढूॅडने की प्रवृति विकसित की जाय।साथ ही मानवाधिकार, नागरिक अधिकारों की रक्षा हेतु न्यायिक संरचना, सड़क परिवहन के नियम, आपदा प्रवन्धन, हमारी लोकतांत्रिक संस्थायें आदि की सामान्य जानकारी देते हुए उनमें विद्यार्थी जीवन से ही आदर्श नागरिक के गुण विकसित करने पर ध्यान दिया जाय। विद्यालयी शिक्षा विभाग के नियोजक एवं विद्वान संस्थाध्यक्ष इस हेतु पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्या में आवश्यक परिवर्धन एवं परिमार्जन करें ऐसी मेंरी हार्दिक अपेक्षा है।

हमारी सरकार ने प्रदेश में शिक्षण संसाधनों का विकास, जन–जन तक शिक्षा की पहुॅच हेतु अपवंचित क्षेत्रों में शिक्षण संस्थाओं की स्थापना, अभिभावकों का आर्थिक बोझ कम करने हेतु संस्थाओं को ग्रान्ट इन एड में लाने तथा गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण हेतु नियमित एव सतत प्रयास किया है। शिक्षण संस्थाओं में शिक्षकों की उपलब्धता हेतु शिक्षकों की नियमित भर्ती एवं चयन किया जा रहा है। प्राथमिक स्तर पर हमने प्रत्येक विद्यालय तक शिक्षकों की उपलब्धता हेतु सार्थक प्रयास किये है। माध्यमिक स्तर पर लोक सेवा आयोग तथा तकनीकी शिक्षा परिषद् के स्तर से शिक्षकों की भर्ती की जा रही है। शेष रिक्त पदों पर अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था द्वारा विषय शिक्षण हेतु सकारात्मक निर्णय लिया गया है। यहां तक कि शिक्षकों की अवकाश अवधि में भी शिक्षण कार्य वाधित न हो इस हेतु अतिथि शिक्षकों के माध्यम से शैक्षणिक व्यवस्था की निरन्तरता का प्रयास किया जा रहा है।

शिक्षण संस्थाओं में शिक्षकों के नियमित वेतन आहरण हेतु प्रदेश सरकार द्वारा SSA एवं RMSA के अभिकर्मियों का वेतन कोषागार के माध्यम से आहरित करने का निर्णय लिया जा चुका है।

निकट भविष्य में इसके सार्थक परिणाम सामने आयेंगे। शिक्षको एवं राज्य कर्मियों के कल्याणार्थ चिकित्सा प्रतिपूर्ति दावों का त्वरित गति से निस्तारण, शिक्षकों को वर्ष में 03 उपार्जित अवकाश अनुमन्य किया जाना, सत्रांत लाभ, सेवाविस्तार आदि महत्वपूर्ण निर्णय राज्य की लोकप्रिय सरकार द्वारा लिए गये हैं।

स्थानान्तरण में पिक एण्ड चूज व्यवस्था को समाप्त करते हुए प्रदेश सरकार द्वारा पूर्ण पारदर्शी स्थानान्तरण नीति लागू की गई है। प्रथम नियुक्ति, पदोन्नति एवं स्थानान्तरण प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शी एवं काउंसिलिंग के माध्यम से करते हुए सभी शिक्षकों को समान अवसर प्रदान किये जा रहे हैं। इसके लिए विभागीय E-portal पर समस्त जानकारियां साझा की जा रही हैं।

प्रदेश में गुणवत्तापरक शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु 500 मॉडल स्कूलों तथा 04 अभिनव आवासीय विद्यालयों की स्थापना कर उनमें शिक्षकों की व्यवस्था पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से की जा रही है। राजीवगॉधी नवोदय विद्यालयों में भी पदों का सृजन कर उनमें शिक्षकों की नियमित भर्ती की जा रही है। साथ ही SCERT डायट एवं सीमैट जैसी संस्थाओं का सुदृढ़ीकरण एवं उनमें विशेषज्ञ कार्मिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु प्रक्रिया आरम्भ कर ली गई है।

अच्छे शिक्षकों को प्रोत्साहित करने हेतु शैलेष मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है साथ ही परिषदीय परीक्षा के आधार पर प्रतिभामानी छात्र छात्राओं एवं उत्कृष्ठ शिक्षकों को गवर्नर्स अवार्ड योजना से पुरूस्कृत किया जा रहा है।

शिक्षकों एवं अभिकर्मियों की व्यावसायिक दक्षता हेतु प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर पर शिक्षकों, संस्थाध्यक्षकों एवं विभागीय अधिकारियों को नियमित प्रशिक्षण प्रदान किये जा रहे हैं। प्राथमिक स्तर पर शिक्षण संस्थाओं में गणित–विज्ञान किट के माध्यम से पाठ को सुगम बनाने का प्रयास किया जा रहा है। माध्यमिक स्तर पर उन्नति प्रोग्राम, LLA तथा ब्यावसायिक कोर्स आदि आरम्भ करने का निर्णय लिया गया है। विद्यालय स्तर पर बच्चों के सतत परीक्षण एवं निदानात्मक शिक्षण हेतु महत्वकांशी 'दीक्षा' प्रोग्राम आरम्भ किया गया है।

इस अवसर पर मैं अभिभावकों से भी विद्यार्थियों की शिक्षा व्यवस्था के प्रति संवेदनशील रहने एवं शिक्षण संस्थाओं के प्रति रूचि विकसित करने की अपेक्षा करता हूँ।

अन्त में प्रदेश के शिक्षा परिवार से जुड़े समस्त अधिकारियों, शिक्षकों, अभिकर्मियों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को एक बार पुनः देश के स्वतंन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।

****जय भारत। जय उत्तराखण्ड*।**

(मंत्री प्रसाद नैथानी)
विद्यालयी शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार।